वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एम .ए. हिन्दी उत्तरार्द्ध परीक्षा

एमएएचडी-07 भाषा विज्ञान

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक 80**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

प्रश्न बैंक

खंड अ (अतिलघूत्तरात्मक)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए. अधिकतम शब्द सीमा 30 शब्द हैं.

1. संप्रेषण का सशक्त साधन कौन-सा है?
2. इंगित भाषा किसे कहते हैं?
3. सांकेतिक भाषा किसे कहते हैं?
4. मानव भाषा का एक लक्षण बताइए.
5. संप्रेषण के लिए किन-किन के बीच सामंजस्य होना आवश्यक है?
6. भाषा संप्रेषण के आधार पर भाषा के तीन पक्ष क्या-क्या हैं?
7. भाषा की जीवंतता का प्रमाण क्या है?
8. भाषा कैसी व्यवस्था है?
9. भाषा कैसी संपत्ति है?
10. मनुष्य के भाषिक व्यवहार को कित्तने भागों में विभाजित किया जा सकता है?
11. संकेत सिद्धांत के प्रवर्तक कौन हैं?
12. समन्वय/ मिश्रित सिद्धांत के प्रवर्तक कौन हैं?
13. प्रतिभा सिद्धांत के संस्थापक कौन हैं?
14. आचार्य यास्क के अनुसार भौतिक तत्व कितने प्रकार के हैं?
15. शब्दशास्त्र पर विचार करने वाले भारतीय आचार्य कौन हैं?
16. भाषिक इकाईयाँ क्या-क्या हैं?

17. भाषा की आत्मा क्या है?

18. विकासवाद के जन्मदाता कौन हैं?

19. संपर्क सिद्धांत के प्रवर्तक कौन हैं?

20. भाषा विकास के कारणों मो मोटे तौर पर कितने भागों में विभाजित किया जा सकता है?

21. 'पद' किसे कहते हैं?

22. 'उपसर्ग' किसे कहते हैं?

23. 'प्रत्यय' किसे कहते हैं?

24. 'समास' किसे कहते हैं?

25. 'संधि' कसे कहते हैं?

26. 'लिंग' किसे कहते हैं?

27. 'वचन' किसे कहते हैं?

28. 'कारक' किसे कहते हैं?

29. 'क्रिया' किसे कहते हैं?

30. 'वाच्य' किसे कहते हैं?

31. फिलॉलजी किसे कहते हैं?

32. भाषा की सबसे लघुतम इकाई क्या है?

33. रूप और पद के प्राथमिक स्वरूप को क्या कहते हैं?

34. पद किसे कहते हैं?

35. नगरी प्रचारिणी सभा, काशी द्वारा प्रकाशित शब्द कोश का नाम क्या है?

36. भाषा की पूर्ण और दीर्घ इकाई कौन सी है?

37. अर्थ विकास की कितनी दिशाएँ हैं?

38. भाषाविज्ञान के प्रमुख अंग कितने हैं?

39. भाषाविज्ञान की अध्ययन की पद्धतियाँ कितने प्रकार की हैं?

40. वर्णनात्मक पद्धति के लिए किस ग्रंथ को सर्वोत्कृष्ट माना गया है?

41. परंपरागत भाषाविज्ञान के अनुसार भाषा क्या है?

42. किस विद्वान ने भाषा को सामाजिक वस्तु माना है?

43. शब्द किसे कहते हैं?

44. किस भारतीय भाषाविद ने यह कहा कि भाषा और राजनीति का गहरा संबंध है?

45. 'वाक्यदीप' के रचनाकार कौन हैं?

46. भाषाविज्ञान की किस शाखा के माध्यम से अप-भाषा और सुसंस्कृत भाषा के बीच निहित अंतर को समझा जा सकता है?

47. 'भाषा और समाज' किसकी रचना है?

48. नॉम चॉमस्की किस देश के भाषावैज्ञानिक हैं?

49. अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान की शाखाओं के नाम बताइए.

50. 'महाभाष्य' के रचनाकार कौन हैं?

51. भारत में किसे ज्ञान का मूल उत्स माना गया है?

52. वैदिक शब्द कोश का क्या नाम है?

53. संस्कृत व्याकरण के आदि गुरु कौन हैं?

54. पाणिनी ने किस शैली में 'अष्टाध्यायी' की रचना की है?

55. पाणिनी का सबसे महत्वपूर्ण अवदान क्या है?

56. किस भारतीय आचार्य ने वाक्य को भाषा की एकमात्र सार्थक इकाई माना है?

57. 'महाभाष्य' के रचनाकार कौन हैं?

58. पाली भाषा में व्याकरण ग्रंथों से संबंधित कितनी शाखाएँ हैं?

59. 'लिंग्विस्टिक्स सर्वे ऑफ इंडिया' किसकी पुस्तक है?

60. हिंदी भाषा का प्रथम व्याकरण ग्रंथ लिखने का श्रेय किसको जाता है?

61. 'द्रविड़ भाषाओं का तुलनात्मक व्याकरण' के रचनाकार कौन हैं?

62. 'ए कम्पेरेटिव ग्रामर ऑफ गौडियन लैंग्वेज' किसकी रचना है?

63. 'लिंग्विस्टिक्स सर्वे ऑफ इंडिया' के रचनाकार कौन हैं?

64. रॉयल एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना कब हुई?

65. 'संरचनावाद' के जनक कौन हैं?

66. संरचनात्मक भाषाविज्ञान के प्रवर्तक कौन हैं?

67. टेक्स्टोनॉमिक व्याकरण के प्रवर्तक कौन हैं?

68. सिस्टिमिक व्याकरण के प्रवर्तक व प्रकार्यात्मक व्याकरण के स्तंभ कौन हैं?

69. 'पॉलिटिक्स' के रचनाकार का नाम क्या है?

70. नेपाली तथा आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं के शब्द समूह का सर्वप्रथम तुलनात्मक एवं ऐतिहासिक अध्ययन किसने प्रस्तुत किया?

71. 'ध्वनि की व्युत्पत्ति के लिए कितने तत्व आवश्यक होते हैं?

72. 'ध्वनियों के वर्गीकरण के कितने आधार हैं?

73. भाषा की निरर्थक लघुतम इकाई क्या है?

74. स्वर ध्वनि किसे कहते हैं?

75. व्यंजन ध्वनि किसे कहते हैं?

76. प्रो. हेफ्नूर ने मुखरता की दृष्टि से ध्वनियों को कितने प्रकारों में विभाजित किया है?

77. हिंदी में लोडित ध्वनि कौन-सी है?

78. ध्वनि विज्ञान के अनुसार कितने प्रकार के लोप हैं?

79. ऊष्मीकरण किसे कहते हैं?

80. बलाघात किसे कहते हैं?

81. स्वनिम किसे कहते हैं?

82. स्वनिम के कितने भेद हैं?

83. परिपूरक वितरण किसे कहते हैं?

84. सुर लहर किसे कहते हैं?

85. मानस्वर किसे कहते हैं?

86. प्लुत ध्वनि किसे कहते हैं?

87. 'णत्व विधान' किसे कहते हैं?

88. वृत्ति किसे कहते हैं?

89. हिंदी में कौन-सी ध्वनियाँ दंतव्य हैं?

90. 'ट' वर्ग की ध्वनियों को क्या कहा जाता है?

91. भाषा की व्याकरणिक अभिव्यक्ति का लघुतम माध्यम क्या है?

92. रूप या पद किसे कहते हैं?

93. रूपिम किसे कहते हैं?

94. रूपिम के कितने भेद हैं?

95. व्याकरणिक कोटियाँ किसे कहते हैं?

96. सहरूप किसे कहते हैं?

97. रूप परिवर्तन के प्रमुख कारण बताइए.

98. पुरुष किसे कहते हैं?

99. कारक किसे कहते हैं?

100. वाच्य किसे कहते हैं?

101. भाषा की आधारभूत इकाई क्या है?

102. वाक्य किसे कहते हैं?

103. पदबंध किसे कहते हैं?

104. उपवाक्य किसे कहते हैं?

105. आधुनिक भाषाविज्ञान के जनक कौन हैं?

106. सस्यूर के अनुसार भाषा के कितने पक्ष हैं?

107. उद्देश्य किसे कहते हैं?

108. विधेय किसे कहते हैं?

109. रचना की दृष्टि से वाक्य के कितने प्रकार हैं?

110. प्रोक्ति किसे कहते हैं?

111. शब्द की आत्मा किसे कहते हैं?

112. भाषाविज्ञान की दृष्टि से अर्थ किसे कहते हैं?

113. अर्थ विकास या अर्थ परिवर्तन की कितनी दिशाएँ हैं?

114. अर्थ विस्तार किसे कहते हैं?

115. अर्थ संकोच किसे कहते हैं?

116. अर्थादेश किसे कहते हैं?

117. स्थूलता-सूक्ष्मता के आधार पर अर्थादेश के कितने भेद हैं?

118. अर्थ विज्ञान का सर्वप्रथम भारतीय ग्रंथ कौन सा है?

119. अर्थ का ज्ञान कैसे होता है?

120. भारतीय परंपरा में अर्थबोध के कितने साधन माने गए हैं?

121. 'वैम्पम' (WAMPAUM) किसे कहते हैं?

122. आक्षरिक लिपि के उदाहरण दें.

123. वर्णात्मक लिपि किसे कहते हैं?

124. 'फोनेमिक्स' के रचनाकार कौन हैं?

125. सिंधु घाटी की लिपियों की निर्देशिका किसने तैयार की?

126. भारत की प्राचीनतम लिपि कौन-सी है?

127. भारत की दूसरी प्राचीन लिपि कौन-सी है?

128. नागरी लिपि में किस लिपि के प्रभाव से नुक्ते या अधोबिंदु का प्रयोग किया जाता है?

129. विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक लिपि कौन-सी है?

130. 1947 में किसकी अध्यक्षता में लिपि को मानक रूप देने के लिए समिति का गठन किया गया था?

131. शब्द भंडार किसे कहते हैं?

132. स्रोत की दृष्टि से हिंदी में कितने प्रकार के शब्द हैं?

133. तत्सम शब्द किसे कहते हैं?

134. तद्भव शब्द किसे कहते हैं?

135. देशज शब्द किसे कहते हैं?

136. 'रिक्शा' किस देश का शब्द है?

137. पारिभाषिक शब्द किसे कहते हैं?

138. संकर शब्द किसे कहते हैं?

139. उपसर्ग किसे कहते हैं?

140. प्रत्यय किसे कहते हैं?

141. आकृतिकमूलक वर्गीकरण किसे कहते हैं?

142. पारिवारिक वर्गीकरण किसे कहते हैं?

143. इलियड और ओडिसी के रचनाकार कौन हैं?

144. भारत-इरानी वर्ग की प्रमुख भाषा कौन-सी है?

145. चीनी-तिब्बती परिवार को भाषाओं की आकृतिगत विशेषताओं के कारण क्या कहा जाता है?

146. अफ्रीका तट की संपर्क भाषा कौन-सी है?

147. आस्ट्रिक परिवार कितने परिवारों का मिलाजुला रूप है?

148. हैमेटिक भाषाओं का मुख्य क्षेत्र कौन-सा है?

149. संसार का सर्वाधिक महत्वपूर्ण परिवार कौन-सा है?

150. तुलू, टुडा, कुई, गोडी आदि किस परिवार की भाषाएँ हैं?

151. तुलनात्मक भाषाविज्ञान का जन्म कब हुआ?

152. केंतुम समुदाय की प्राचीनतम भाषा के रूप में किस भाषा को प्रतिष्ठा प्राप्त है?

153. ग्रीक भाषा में कितने लिंग हैं?

154. गाथिक किस परिवार की भाषा है?

155. रूसी भाषा के वर्तमान में प्रयुक्त लिपि के निर्माण का श्रेय किसको जाता है?

156. फारसी का प्रारंभिक ग्रंथ कौन-सा है?

157. योगात्मक भाषाएँ किसे कहते हैं?

158. अयोगात्मक भाषाएँ किसे कहते हैं?

159. अंग्रेजी किस परिवार की उपभाषा है?

160. प्रश्लिष्ट योगात्मक भाषाएँ किसे कहते हैं?

161. बौद्ध धर्म की आधार भाषा कौन-सी थी?

162. जैन धर्म की आधार भाषा कौन-सी थी?

163. प्राचीन भारतीय आर्य भाषाओं को कितने रूपों में विभाजित किया जा सकता है?

164. बुद्ध के उपदेशों के संग्रह का क्या नाम है?

165. पालि भाषा के प्रसिद्ध वैयाकरण कौन थे?

166. पालि भाषा में अनुस्वार को क्या कहा जाता है?

167. किस भाषा को 'भूत भाषा' की संज्ञा दी गई है?

168. अपश्रुति किसे कहते हैं?

169. विषमीकरण किसे कहते हैं?

170. बलाघात किसे कहते हैं?

171. विद्यापति द्वारा रचित 'कीर्तिलता' की भाषा कौन-सी है?

172. किस पाश्चात्य विद्वान ने भारतीय भाषाओं का अध्ययन और हिंदी के महत्व को रेखंकित किया है?

173. किस विद्वान ने मुंडा भाषा की खोज की?

174. किस विद्वान ने द्रविड़ भाषाओं की खोज की?

175. गुजरात क्षेत्र में किस जाति का प्रभुत्व था?

176. बांग्ला भाषा किस प्राकृत के अपभ्रंश रूप में विकसित हुई?

177. महाप्राणीकरण किसे कहते हैं?

178. अल्पप्राणीकरण किसे कहते हैं?

179. अनुनासिकता किसे कहते हैं?

180. मूर्धन्य ध्वनियों से क्या आशय है?

181. शौरसेनी अपभ्रंश से किन आधुनिक भाषाओं का विकास हुआ?

182. हिंदी की कितनी उपभाषाएँ और बोलियाँ हैं?

183. किस भाषा को कौरवी कहा जाता है?

184. हरियाणवी का दूसरा नाम क्या है?

185. बिहारी हिंदी के अंतर्गत कितनी बोलियाँ हैं?

186. जयपुरी का परंपरागत नाम क्या है?

187. मीराबाई की पदावली किस भाषा में है?

188. द्वित्वाक्षर किसे कहते हैं?

189. गढ़वाली की प्रमुख उपबोलियाँ कौन-सी हैं?

190. अवधी भाषा की कितनी विभाषाएँ हैं?

191. राजभाषा का क्या अर्थ है?

192. राजभाषा का प्रयोग क्षेत्र क्या है?

193. भारत देश का संविधान कब लागू हुआ?

194. हिंदी साहित्य सम्मलेन की स्थापना कब हुई?

195. द्विभाषा नीति किसे कहते हैं?

196. त्रिभाषा सूत्र से क्या तात्पर्य है?

197. आयंगर मुंशी फार्मूला क्या है?

198. राष्ट्रभाषा किसे कहते हैं?

199. संपर्क भाषा किसे कहते हैं?

200. कर्याविधि साहित्य से क्या तात्पर्य है?

201. अधिसूचना से क्या तात्पर्य है?

202. अष्टम अनुसूची किसे कहते हैं?

203. अध्यादेश से क्या आशय है?

204. राजभाषा विभाग की स्थापना कब हुआ?

205. हिंदी भाषा की सामासिक संस्कृति के बारे में किस अनुच्छेद में अभिव्यक्त किया गया है?

206. किस अनुच्छेद में यह स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी?

207. शब्दावली निर्माण के लिए किस बोर्ड की स्थापना की गई?

208. किन अनुच्छेदों में उच्चतम और उच्च न्यायालयों की भाषा विषयक प्रावधान है?

209. किस अनुच्छेद में भाषायी अल्पसंख्यकों पर पूरा ध्यान दिए जाने की व्यवस्था है?

210. भाषायी अल्पसंख्यक से क्या आशय है?

211. अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान किसे कहते हैं?

212. अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान के कुछ क्षेत्रों का उल्लेख कीजिए

213. अर्जन से क्या तात्पर्य है?

214. अधिगम किसे कहते हैं?

215. भाषा दोष विश्लेषण किसके उपागम पर आधारित है?

216. भाषा शिक्षण की प्रमुख विधियाँ कौन-सी हैं?

217. किस सिद्धांत के अंतर्गत व्यतिरेकी विश्लेषण किया जा सकता है?

218. 'षट् सिद्धांत' किसे कहते हैं?

219. स्रोत भाषा किसे कहते हैं?

220. लक्ष्य भाषा किसे कहते हैं?

221. ब्लॉक और ट्रेगर द्वारा प्रतिपादित भाषा की परिभाषा को रेखांकित कीजिए.

222. भाषा कौशल कितने प्रकार के हैं?

223. मोटे तौर पर भाषा शिक्षण के प्रमुख उद्देश्य कितने प्रकारों में विभाजित किया जाता है?

224. मौन वाचन किसे कहते हैं?

225. सस्वर वाचन किसे कहते हैं?

226. सस्वर वाचन में कितनी प्रकार की प्रतिक्रियाँ सम्मिलित हैं?

227. अक्षरबोध प्रणाली का आशय स्पष्ट कीजिए. \

228. 'निदर्शना' किसे कहते हैं?

229. भाषा के उच्चारण में होने वाली सामान्य अशुद्धियों के कारण बताइए.

230. वर्तनी संबंधी कुछ प्रमुख अशुद्धियों का उल्लेख कीजिए

231. शैली किसे कहते हैं?

232. कुंतक के अनुसार काव्य की आत्मा क्या है?

233. प्राग स्कूल ने शैली विश्लेषण की कितने प्रकार की योजनाओं का प्रवर्तन किया?

234. फ्रांसीसी शैली विज्ञान के प्रवर्तक कौन हैं?

235. व्यावहारिक शैली का सिद्धांत किसे कहते हैं?

236. बहुसूत्रीय दृष्टि से क्या तात्पर्य है?

237. राष्ट्रीय शैली का सिद्धांत किसे कहते हैं?

238. यांत्रिक प्रविधि किसे कहते हैं?

239. किस विद्वान ने शैली के अंतर्गत सममूल्यता के सिद्धांत को काव्य सिद्धांत के रूप में प्रस्तुत किया?

240. रूस और चेक में शैली विज्ञान का विकास किस तरह हुआ?

241. शैली विश्लेषण की कितनी प्रक्रियाएँ हैं?

242. विचलन किसे कहते हैं?

243. विपथन किसे कहते हैं?

244. समानांतरता किसे कहते हैं?

245. शैली चिन्हक किसे कहते हैं?

246. अग्रप्रस्तुति से क्या तात्पर्य है?

247. धनात्मक शैली चिन्हक किसे कहते हैं?

248. ऋणात्मक शैली चिन्हक से क्या तात्पर्य है?

249. तुलनात्मक शैली विज्ञान किसे कहते हैं?

250. वर्णात्मक शैली विज्ञान किसे कहते हैं?

'खंड अ' के उत्तर

1. संप्रेषण का सशक्त साधन भाषा है.
2. नेत्र भंगिमा या आग का सहारा लेकर बात करने की प्रक्रिया को इंगित भाषा की संज्ञा से अभिहित किया जाता है.
3. रेलगाड़ी की झंडियाँ या चौराहे की बत्तियाँ आदि के माध्यम से अभिव्यक्त विचारों को सांकेतिक भाषा कहा जा सकता है.
4. यादृच्छिकता भाषा का एक प्रमुख लक्षण है.
5. संप्रेषण के लिए वक्ता-श्रोता के बीच सामंजस्य होना आवश्यक है.
6. भाषा संप्रेषण के आधार पर भाषा के तीन पक्ष हैं - उच्चारण पक्ष, संवहन पक्ष और ग्रहण पक्ष.
7. भाषा की जीवंतता का प्रमाण परिवर्तनशीलता है.
8. भाषा यादृच्छिक ध्वनि प्रतीकों की व्यवस्था है.
9. भाषा अर्जित व्यवहार है.
10. मनुष्य के भाषिक व्यवहार को तीन भागों में विभाजित किया जा सकता है - स्वगत/ आत्मालाप, बातचीत/ वार्तालाप और भाषण.
11. संकेत सिद्धांत के प्रवर्तक 18वीं शती के फ्रेंच विचारक रूसो हैं.
12. समन्वय/ मिश्रित सिद्धांत के प्रवर्तक हेनरी स्वीट हैं.
13. प्रतिभा सिद्धांत के संस्थापक भर्तृहरि हैं.
14. आचार्य यास्क के अनुसार भौतिक तत्व छह प्रकार के हैं - उत्पत्ति, स्थिति, विकास, वृद्धि, क्षय और विनाश.
15. शब्दशास्त्र पर विचार करने वाले भारतीय आचार्यों में कात्यायन, पतंजलि, वामन आदि उल्लेखनीय हैं.
16. ध्वनि, शब्द, पद, वाक्य और अर्थ भाषिक इकाइयाँ हैं.
17. भाषा की आत्मा अर्थ है.
18. डार्विन विकासवाद के जन्मदाता हैं.

19. संपर्क सिद्धांत के प्रवर्तक हैं जी. रवेज.
20. भाषा विकास के कारणों को मोटे तौर पर दो भागों में बाँटा जा सकता है - आभ्यांतर या आतंरिक कारण तथा बाह्य कारण.
21. वाक्य में प्रयोग होने वाले शब्दों को पद कहा जाता है.
22. शब्द से पूर्व लगने वाले उस अक्षर समूह को उपसर्ग कहा जाता है जो अर्थ में परिवर्तन या विशेषता ला देता है. उदहारण के लिए : अनु - अनुवाद, अनुमान, अनुकरण, अनुचर.
23. शब्दों के बाद में जोड़े जाने वाले अक्षर या अक्षर समूह को प्रत्यय कहते हैं. उदाहरण के लिए - आई - लड़ + आई = लड़ाई.
24. दो या दो से अधिक शब्दों के पारस्परिक संबंधद्योतक शब्दों के लोप होने से दो या दो से अधिक शब्दों के योग से नया शब्द बनता है. उसे समास कहते हैं.
25. व्याकरण में संधि का अर्थ है दो या दो से अधिक वर्णों का मेल. उदहारण के लिए - तत् + लीन = तल्लीन.
26. स्त्री या पुरुष बोधक शब्दों को लिंग कहा जाता है. उदाहरण के लिए - लड़का (पुल्लिंग), लड़की (स्त्री लिंग).
27. संख्या सूचक शब्द को वचन कहा जाता है. हिंदी में दो वचन हैं - एकवचन और बहुवचन.
28. जो शब्द संज्ञा तथा सर्वनाम की प्रक्रिया के साथ संबंध प्रकट करते हैं, वे कारक शब्द कहलाते हैं. हिंदी में आठ प्रकार के कारक हैं.
29. कुछ करने या होने की सूचना प्रदान करने वाले रूपों को क्रिया कहते हैं.
30. जब क्रिया कर्ता, कर्म या किसी भाव का विधान करती है, तो वह क्रमशः कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाववाच्य में बदल जाती है.
31. फिलॉलजी ग्रीक भाषा का शब्द है.
32. भाषा की सबसे लघुतम इकाई ध्वनि है.
33. रूप और पद के प्राथमिक स्वरूप को शब्द कहते हैं.
34. वाक्य में प्रयुक्त शब्द 'पद' कहलाता है.
35. नगरी प्रचारिणी सभा, काशी द्वारा प्रकाशित शब्द कोश है 'शब्द सागर'.

36. भाषा की पूर्ण और दीर्घ इकाई वाक्य है.
37. अर्थ विकास के तीन मुख्य दिशाएँ हैं - विस्तार, संकोच और विपर्यय.
38. भाषाविज्ञान के पाँच प्रमुख अंग हैं - ध्वनि विज्ञान, शब्द विज्ञान, अर्थ विज्ञान, पद/ रूप विज्ञान और वाक्य विज्ञान.
39. भाषाविज्ञान की अध्ययन की चार पद्धतियाँ हैं - वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक और व्यावहारिक या योगिक.
40. वर्णनात्मक अध्ययन/ पद्धति के लिए पाणिनीय व्याकरण सर्वोत्कृष्ट ग्रंथ है.
41. परंपरागत भाषाविज्ञान के अनुसार भाषा वाक्यों का समूह है.
42. सस्यूर ने भाषा को सामाजिक वस्तु माना है.
43. किसी भी भाषा की ध्वनियों के सार्थक समुच्चय शब्द कहलाते हैं.
44. देवी प्रसन्न पटनायक ने यह कहा कि भाषा और राजनीति का गहरा संबंध है.
45. 'वाक्यदीप' के रचनाकार भर्तृहरि हैं.
46. समाजभाषाविज्ञान के माध्यम से अप-भाषा और सुसंस्कृत भाषा के बीच निहित अंतर को समझा जा सकता है.
47. 'भाषा और समाज' के रचनाकार हैं डॉ. रामविलास शर्मा.
48. नॉम चॉमस्की अमेरिका के भाषावैज्ञानिक हैं.
49. भाषा शिक्षण, कोश विज्ञान, अनुवाद विज्ञान, समाजभाषाविज्ञान आदि अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान की शाखाएँ हैं.
50. 'महाभाष्य' के रचनाकार पतंजली हैं.
51. भारत में वेद को ज्ञान का मूल उत्स माना गया है.
52. वैदिक शब्द कोश का नाम 'निघंटु' है.
53. पाणिनी संस्कृत व्याकरण के आदि गुरु हैं.
54. पाणिनी ने 'अष्टाध्यायी' की रचना 'सूत्र शैली' में किया है.
55. पाणिनी का सबसे महत्वपूर्ण अवदान है शब्द निर्माण प्रक्रिया.
56. भर्तृहरि ने वाक्य को भाषा की एकमात्र सार्थक इकाई माना है.

57. पतंजलि ‘महाभाष्य’ के रचनाकार हैं.
58. पाली भाषा में व्याकरण ग्रंथों से संबंधित तीन शाखाएँ हैं - कच्चयान, मोग्गलान और अग्गवंस.
59. ‘लिंग्विस्टिक्स सर्वे ऑफ इंडिया’ के रचनाकार हैं ग्रियर्सन.
60. हिंदी भाषा के प्रथम व्याकरण ग्रंथ लिखने का श्रेय कामता प्रसाद गुरु को जाता है.

61. विशप काल्डवेल द्रविड़ भाषाओं के तुलनात्मक व्याकरण (1856) के रचनाकार हैं.
62. ‘ए कम्पेरेटिव ग्रामर ऑफ गौडियन लैंग्वेज’ के रचनाकार हैं हार्नले.
63. ‘लिंग्विस्टिक्स सर्वे ऑफ इंडिया’ के रचनाकार हैं जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन.
64. रॉयल एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना 1786 में हुई
65. फर्दिनंद द सस्यूर संरचनावाद के जनक हैं.
66. लियोनार्द ब्लूमफील्ड संरचनात्मक भाषाविज्ञान के प्रवर्तक हैं.
67. पाइक व हैलिडे टेक्स्टोनॉमिक व्याकरण के प्रवर्तक हैं.
68. सिस्टिमिक व्याकरण के प्रवर्तक व प्रकार्यात्मक व्याकरण के स्तंभ हैं हैलिडे.
69. अरस्तू ‘पॉलिटिक्स’ के रचनाकार हैं.
70. टर्नर ने नेपाली तथा आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं के शब्द समूह का सर्वप्रथम तुलनात्मक एवं ऐतिहासिक अध्ययन प्रस्तुत किया है.

71. ध्वनि की व्युत्पत्ति के लिए चार तत्व आवश्यक हैं - भाव या विचार, विचार प्रकाशनेच्छा, प्राणवायु की सहायता और वाग अवयवों के सही परिचालन.
72. ध्वनियों के वर्गीकरण के मुख्यतः तीन आधार माने जाते हैं - स्थान, कारण और प्रयत्न.
73. भाषा की निरर्थक लघुतम इकाई ध्वनि है.
74. स्वर उन ध्वनियों को कहा जाता है, जो मुख से बिना किसी बाधा के उच्चरित होती हैं. उदाहरण के लिए - अ, आ, इ, ई आदि.

75. व्यंजन उन ध्वनियों को कहा जाता है, जिनके उच्चारण में फेफड़ों से आने वाली हवा अवरुद्ध होती है और संकुचित रास्तों से बहार निकलती है. उदाहरण के लिए - क, ख, ग, घ आदि.
76. प्रो. हेफूनर ने मुखरता की दृष्टि से ध्वनियों को दो प्रकारों में विभाजित किया है - आक्षरिक और अनाक्षरिक.
77. 'र' लोडित ध्वनि है.
78. ध्वनि विज्ञान के अनुसार तीन प्रकार के लोप हैं - स्वर लोप, व्यंजन लोप और अक्षर लोप.
79. जब कुछ ध्वनियों को ऊष्म ध्वनि में बदल दिया जाता है, तब ऊष्मीकरण होता है. जैसे - अष्ट.
80. उच्चारण करते समय किसी ध्वनि विशेष पर इस तरह खास बल पड़ना या देना जिससे अन्य ध्वनियाँ क्षीण हो जाएँ, उस स्थिति को बालाघात कहा जाता है.
81. स्वनिम किसी भी भाषा की मिलती-जुलती ध्वनियों का वह परिवार है, जिसके सदस्य एक-दूसरे के पूरक होते हैं.
82. स्वनिम के चार भेद हैं - केंद्रीय, परिधीय, खंड्य और अखंड्य.
83. भाषा में कुछ वर्ण अलग अलग रहते हुए भी मिलकर एक परिवार बनते हैं ऐसे वर्ण एक-दूसरे के पूरक होते हैं. इसे ही परिपूरक वितरण कहा जाता है.
84. शब्दों और वाक्यों पर प्रभाव डालने वाली ध्वनि तरंग को सुर लहर कहा जाता है.
85. आठ सर्वजनीन स्वर जिन्हें 'मानक स्वर' की मान्यता दी गई हैं उन्हें मानस्वर कहा जाता है. जॉन वैलिस ने इसके लिए एक त्रिभुज प्रतीक बनाया है.
86. ह्रस्व और दीर्घ स्वर के बीच की ध्वनि को प्लुत ध्वनि कहा जाता है.
87. संस्कृत व्याकरण में 'र', 'ष' और 'ऋ' के बाद अगर 'न' आए तो उसे 'ण' बना देने के विधान को 'णत्व विधान' कहा जाता है. जैसे - ऋण, प्राण, अन्वेषण आदि.
88. वृत्ति का अर्थ है क्षिप्रता (गति). यह ध्वनि उच्चारण में बहुत महत्वपूर्ण है इसके तीन भेद हैं - द्रुत, माध्यम और विलंबित.
89. त, द, न एवं स ध्वनियाँ दंत्य ध्वनियाँ हैं.

90. ‘ट’ वर्ग की ध्वनियों को मूर्धन्य ध्वनियाँ कहा जाता है.

91. भाषा की व्याकरणिक अभिव्यक्ति का लघुतम माध्यम रूप है.

92. किसी प्रकार के संबंधतत्व से युक्त होकर वाक्यों में प्रयोग योग शब्द-रूप ही रूप या पद कहलाते हैं.

93. रूप रचना की आधारभूत इकाई रूपिम कहलाती है.

94. रूपिम के चार प्रमुख भेद हैं - मुक्त रूपिम, बद्ध रूपिम, मुक्त-बद्ध रूपिम और संयुक्त रूपिम.

95. संबंधतत्व के द्वारा अर्थतत्व के लिंग, वचन, पुरुष, कारक, काल या पक्ष तथा वृत्तियाँ या अर्थ आदि की अभिव्यक्ति की जाती है. इन्हें ही व्याकरणिक कोटियाँ कहते हैं.

96. एक रूपिम की परिधि में आगत विभिन्न रूपों को सहरूप (Allomorph) कहते हैं. सहरूपों के मध्य परिपूरक वितरण मिलता है.

97. सरलता की मनोवृत्ति, नवीनता, स्पष्टता, सादृश्य, अज्ञानता और बल आदि रूप परिवर्तन के कुछ प्रमुख कारण हैं.

98. पुरुष रूपिमों सर्वनामों के रूप परिवर्तन के कारक हैं, जिसका अनुवर्तन क्रिया को करना होता है. हिंदी में तीन पुरुष हैं - उत्तम पुरुष (मैं), मध्यम पुरुष (तू, तुम, आप) और अन्य पुरुष (आप, वह, वे).

99. संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य के दूसरे शब्दों से पता चले उसे कारक कहते हैं. हिंदी में आठ कारक हैं.

100. वाच्य से यह पता चलता है कि कार्य संपादन का दायित्व कर्ता पर है या वह उससे प्रभावित होता है. हिंदी में दो वाच्य हैं - कर्तृवाच्य और कर्मवाच्य.

101. भाषा की आधारभूत इकाई वाक्य है.

102. पूर्ण अर्थ की प्रतीति कराने वाले शब्द समूह वाक्य कहलाता है.

103. पदबंध उपवाक्य से छोटा घटक है. वाक्य में व्याकरणिक प्रकार्यों को पूरी करने वाली इकाइयाँ पदबंध कहलाती हैं.

104. शब्दों की ऐसी शृंखला जिसका उद्देश्य एवं विधेय हो तथा जो किसी वाक्य का अंग हो, उपवाक्य कहलाता है.

105. सस्यूर आधुनिक भाषाविज्ञान के जनक हैं.

106. सस्यूर के अनुसार भाषा के दो पक्ष हैं - भाषा व्यवस्था (लांग) और भाषा व्यवहार (पेरोल).

107. उद्देश्य वाक्य का वह अंग है जिसके संबंध में वाक्य के शेष अंश में कुछ कहा गया हो.

108. विधेय वाक्य का वह अंग है जो उद्देश्य के बारे में सूचना देता है.

109. रचना की दृष्टि से वाक्य के तीन प्रकार हैं - सरल वाक्य, संयुक्त वाक्य और मिश्र वाक्य.

110. एक या एक से अधिक वाक्यों की संसक्ति को प्रोक्ति (Discourse) कहा जाता है.

111. अर्थ शब्द की आत्मा है.

112. भाषावैज्ञानिक दृष्टि से अर्थ वह तत्व है जो किसी शब्द या अभिव्यक्ति की आत्मा के रूप में उसमें निहित होता है.

113. अर्थ विकास या अर्थ परिवर्तन की तीन दिशाएँ हैं - अर्थ विस्तार, अर्थ संकोच और अर्थादेश.

114. जब शब्द का अर्थ विशेष रूप से सामान्य की ओर प्रवृत्त होता है, उसे अर्थ विस्तार कहा जाता है.

115. जब शब्द या सामान्य तथा विस्तृत अर्थ विशिष्टता की ओर प्रवृत्त होता है, अर्थ संकोच कहा जाता है.

116. एक अर्थ के स्थान पर दूसरे अर्थ का आ जाना अर्थादेश कहलाता है.

117. स्थूलता-सूक्ष्मता के आधार पर अर्थादेश के दो प्रकार हैं - स्थूलीकरण, सूक्ष्मीकरण.

118. यास्क कृत 'निरुक्त' अर्थ विज्ञान का सर्वप्रथम भारतीय ग्रंथ है.

119. अर्थ का ज्ञान प्रत्यय या प्रतीति (अनुभव) के रूप में होता है.

120. भारतीय परंपरा में अर्थबोध के आठ साधन माने गए हैं - व्यवहार, उपमान, प्रकरण, व्याख्या, प्रसिद्ध पद का सान्निध्य, व्याकरण, कोश और आप्त वाक्य.

121. उत्तरी अमेरीका में चमड़े में मोती-मूँगे आदि को पिरोकर भावों को सुरक्षित रखने की परंपरा प्राप्त होती है. इसे 'वैम्पम' (WAMPAUM) कहा जाता है.

122. अक्षरों को व्यक्त करने के लिए चिह्न अक्षरात्मक लिपि के आधार हैं. देवनागरी लिपि आक्षरिक लिपि है.

123. वर्णात्मक लिपि के ध्वनि संकेत वर्णों को व्यक्त करने में सक्षम है. इसमें स्वर और व्यंजन के लिए स्वतंत्र लिपि संकेत होते हैं. रोमन लिपि वर्णात्मक लिपि का उदाहरण है.

124. कैनेथ एल. पाइक 'फोनेमिक्स' के रचनाकार हैं.

125. काशी हिंदू विश्वविद्यालय के डॉ. प्राणनाथ विद्यालंकार ने सिंधु घाटी की लिपियों की निर्देशिका तैयार की.

126. भारत की प्राचीनतम लिपि ब्राह्मी लिपि है.

127. भारत की दूसरी प्राचीन लिपि है खरोष्ठी.

128. फारसी लिपि के प्रभाव से नागरी लिपि में नुक्ते या अधोबिंदु का प्रयोग किया जाता है.

129. विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक लिपि देवनागरी लिपि है.

130. 1947 में नरेंद्र देव की अध्यक्षता में लिपि को मानक रूप देने के लिए समिति का गठन किया गया था.

131. किसी भी भाषा के शब्दों के समुच्चय को उस भाषा का शब्द भंडार या शब्द समूह कहा जाता है.

132. स्रोत की दृष्टि से हिंदी में 4 प्रकार के शब्द हैं - तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी.

133. तत् (वह/ संस्कृत) + सम (समान) = तत्सम. अर्थात तत्सम वे शब्द हैं जो संस्कृत के समान हैं. उदाहरण के लिए कृष्ण.

134. तत् (वह/ संस्कृत) + भव (बदला हुआ) = तद्भव. अर्थात तद्भव वे शब्द हैं जो संस्कृत से उत्पन्न बदला हुआ रूप हैं. उदहारण के लिए कान्हा.

135. देश + ज = देशज. अर्थात देश में ही जन्में हुए शब्दों को देशज शब्दा कहा जाता है. उदाहरण के लिए घोटाला.

136. रिक्शा जापानी शब्द है.

137. रूपगत भिन्न एवं अर्थगत समान शब्दों को पारिभाषिक शब्द कहा जाता है. उदाहरण के लिए कमल के पारिभाषिक शब्द हैं जलज, सरोज, नीरज, पंकज आदि.

138. दो भाषों या एक ही भाषा के दो रूपों के योग से बने हुए शब्द संकर शब्द कहलाते हैं. उद्धरण के लिए ऑक्सीकरण (अंग्रेजी+हिंदी)

139. उपसर्ग वह शब्द है जो किसी शब्द के पहले लगकर उसमें अर्थ की विशेषता लाता है. उदाहरण के लिए उप + योग = उपयोग.

140. व्याकरण में वे अक्षर जो किसी धातु या मूल शब्दों के अंत में लगकर उसके अर्थ में कोई विशेष अर्थ लाते हों, प्रत्यय कहलाते हैं. उदहारण के लिए सुंदर + ता = सुंदरता

141. जब भाषाओं को उनकी आकृति अर्थात बाह्य समानता के आधार पर अलग अलग वर्गों में वर्गीकृत किया जता है, तो उसे आकृतिमूलक वर्गीकरण कहा जाता है.

142. जब भाषाओं को उनकी आतंरिक संरचना के आधार पर विभिन्न समूहों में बाँटा जाता है, तो इस प्रकार के वर्गीकरण को पारिवारिक या ऐतिहासिक वर्गीकरण कहा जाता है.

143. इलियड और ओडिसी के रचनाकार हैं होमर.

144. भारत-इरानी वर्ग की प्रमुख भाषा है संस्कृत.

145. चीनी-तिब्बती परिवार की भाषाओं को एकाक्षर भाषाएँ कहा जाता है.

146. अफ्रीका तट की संपर्क भाषा है बाँटू.

147. आस्ट्रिक परिवार 3 प्रकारों का मिलाजुला रूप है - मानख्मेर, मुंडा और संथाली.

148. उत्तरी अफ्रीका हैमेटिक भाषाओं का मुख्य क्षेत्र है.

149. भारोपीय परिवार संसार का सर्वाधिक महत्वपूर्ण परिवार है.

150. तुलू, टुडा, कुई और गोडी आदि द्रविड़ परिवार की भाषाएँ हैं.

151. 1886 में रॉयल एशियाटिक सोसायटी में दिए गए अपने भाषण में विलियम जॉनसन ने यह घोषित किया कि संस्कृत से ग्रीक और लैटिन का घनिष्ठ संबंध है. यह माना जाता है कि वहीं से तुलनात्मक भाषाविज्ञान का जन्म हुआ.

152. केंतुम समुदाय की प्राचीनतम भाषा ग्रीक है.

153. ग्रीक भाषा में 3 लिंग हैं - पुल्लिंग, स्त्रीलिंग और नपुंसक लिंग.

154. गाथिक जर्मनिक/ ट्यूटानिक परिवार की भाषा है.

155. रूसी भाषा के वर्तमान में प्रयुक्त लिपि के निर्माण का श्रेय संत सिरिल को जाता है.

156. फ़ारसी का प्रारंभिक ग्रंथ है फिरदौसी का 'शाहनामा'.

157. योगात्मक भाषाएँ वे भाषाएँ हैं जिनमें संबंधतत्व और अर्थतत्व में योग हो जाता है. अर्थात वे मिलेजुले रहते हैं.

158. आकृति या रूप की छवि से वर्गीकृत भाषा समूह को अयोगात्मक भाषाएँ कहा जता है. इस वर्ग की भाषाओं के शब्दों में अर्थतत्व और संबंधतत्व में योग नहीं होता.

159. 'अंग्रेजी' जर्मनी/ ट्यूटानिक परिवार की उपभाषा है.

160. प्रश्लिष्ट योगात्मक भाषाओं के संबंधतत्व और अर्थतत्व का आयोग इतना घुला मिला होता है कि इन्हें न तो अलग-अलग पहचाना जा सकता है न एक के दूसरे से अलग ही किया जा सकता है.

161. बौद्ध धर्म की आधार भाषा पालि थी.

162. जैन धर्म की आधार भाषा अपभ्रंश थी.

163. प्राचीन भारतीय आर्य भाषाओं को 2 रूपों में विभाजित किया जा सकता है - वैदिक संस्कृत और लौकिक संस्कृत.

164. बुद्ध के उपदेशों के संग्रह का नाम है त्रिपिटक.

165. कच्चायन पालि भाषा के प्रसिद्ध वैयाकरण थे.

166. पालि भाषा में अनुस्वार स्वतंत्र ध्वनि है. इसे निग्गहित कहा जाता है.

167. बाणभट्ट ने पैशाची को 'भूत भाषा' की संज्ञा दी.

168. ध्वनि परिवर्तन के कारण उत्पन्न स्थिति अर्थात स्वरों में परिवर्तन के कारण अर्थ बदल जाता है. कभी-कभी आरंभ या अंत में कुछ और अंश भी जुड़ जाते हैं. जैसे भारद्वाज से भारद्वज. इसे अपश्रुति कहा जाता है.

169. विषमीकरण में एक सी दो ध्वनियों में एक ध्वनि किसी समान ध्वनि के प्रभाव से अपना स्वरूप छोड़कर दूसरी ध्वनि बन जाती है. इसका प्रमुख कारण श्रोता की ध्वनि पहचानने की सुविधा का होना.

170. एक शब्द की सभी ध्वनियों पर बराबर बल या आघात उच्चारण के समय नहीं पड़ता. शब्द जब एकाधिक अक्षरों का होता है तो जिस अक्षर पर अधिक बल पड़ता है, उस पर बलाघात देखा जाता है.

171. 'कीर्तिलता' की भाषा अवहट्ठ है.

172. विलियम जोन्स ने भारतीय भाषाओं का अध्ययन और हिंदी के महत्व को रेखांकित किया.

173. मैक्समूलर ने मुंडा भाषा की खोज की.

174. फाल्डवेल ने द्रविड़ भाषाओं की खोज की.

175. गुजरात क्षेत्र में गुर्जर जाति का प्रभुत्व था.

176. बांग्ला भाषा मागधी प्राकृत के अपभ्रंश रूप से विकसित है.

177. व्याकरण के अनुसार कुछ ध्वनियाँ (वर्ण) जिनके उच्चारण में प्राणवायु का विशेष व्यवहार करना पड़ता है महाप्राण कहलाती हैं. ध्वनि के महाप्राण बनाने की प्रक्रिया को महाप्राणीकरण कहा जाता है. जैसे किला > खिला

178. कम श्वास से उच्चरित व्यंजन अल्पप्राण कहलाते हैं. महाप्राण से अल्पप्राण उच्चारण को अल्पप्राणीकरण कहते हैं. जैसे खिला > किला

179. मुँह और नाक से उच्चारण करने की प्रक्रिया को अनुनासिकता कहा जाता है.

180. मूर्धा से उच्चरित होने वाली ध्वनियों को मूर्धन्य कही जाती हैं. जैसे ट, ळ, ड और ढ.

181. शौरसेनी अपभ्रंश से पश्चिमी हिंदी, राजस्थानी, गुजराती और पहाड़ी का विकास हुआ

182. हिंदी की 5 उपभाषाएँ और 17 बोलियाँ हैं.

183. खड़ीबोली का दूसरा नाम है कौरवी.

184. ग्रियर्सन ने हरियाणवी को बांगरू नाम से अभिहित किया.

185. बिहारी हिंदी के अंतर्गत 3 बोलियाँ सम्मिलित हैं - मगही, मैथली और भोजपुरी.

186. जयपुरी का परंपरागत नाम है ढुढारि.

187. मीराबाई की पदावली की भाषा मारवाड़ी है.

188. अक्षरों के संयुक्त रूप को द्वित्वाक्षर कहा जाता है. अर्थात एक ही वर्ण का संयुक्त रूप. जैसे पका > पक्का.

189. गढ़वली की प्रमुख उपबोलियाँ हैं राठी, बघानी, सलानी और टेहरी आदि.

190. अवधी भाषा की 3 विभाषाएँ हैं - पश्चिमी, केंद्रीय और पूर्वी.

191. राजभाषा का सामान्य अर्थ है राजकाज की भाषा. दूसरे शब्दों में, जिस भाषा के द्वारा राजकीय कार्य पूरे किए जाए वह राजभाषा है.

192. राजभाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग शासन, विधान, न्यायपालिका और कार्यपालिका में होता है.

193. भारत देश का संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ

194. भाषा के विकास एवं विस्तार के लिए पंडित मदनमोहन मालवीय तथा पुरुषोत्तम दास टंडन ने 10 अक्टूबर 1910 को हिंदी साहित्य सम्मेलन की स्थापना की.

195. भारत सरकार के कार्यालयों द्वारा जो भी दस्तावेज तैयार किए जाएँगे वे राजभाषा हिंदी और सहराजभाषा अंग्रजी दोनों में होंगे. इस नीति को द्विभाषा नीति कहा जाता है.

196. हिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदी तथा अंगेजी के अतिरिक्त आधुनिक भारतीय आर्य भाषा के रूप में दक्षिण की एक भाषा को पढ़ाए जाने का संवैधानिक प्रावधान, त्रिभाषा सूत्र कहलाता है.

197. कन्हैयालाल माणिक लाल मुंशी और गोपाल स्वामी आयंगर की अध्यक्षता में एक फार्मूला बना जिसके तहत संघ की भाषा हिंदी और लिपि देवनागरी रखने पर सहमती बनी. इसे 'आयंगर मुंशी फार्मूला' के नाम से जाना जाता है.

198. जो भाषा समस्त राष्ट्र के अधिक से अधिक लोग पढ़ते, लिखते, समझते और दैनिक व्यवहार में बोलते हैं उसे राष्ट्रभाषा कहा जाता है.

199. जिस भाषा के माध्यम से एक-दूसरे से संपर्क किया जा सके उसे संपर्क भाषा कहा जाता है. संपर्क भाषा के रूप में हिंदी पूरी तरह से प्रतिष्ठित हो चुकी है.

200. प्रशासनिक कार्य में प्रयोग की जाने वाली नियम पुस्तिकाएँ, संहिताएँ और नियमावलियाँ आदि को कार्यविधि साहित्य कहा जाता है.

201. किसी राज्य अथवा केंद्र सरकार द्वारा आम जनता अथवा किसी कार्यालय के कर्मचारियों को दी जाने वाली सूचना को अधिसूचना कहा जाता है.

202. अष्टम अनुसूची, संविधान की एक अनुसूची जिसमें भारत की समस्त राष्ट्रीय भाषाएँ दर्ज हैं. आज संविधान की अष्टम अनुसूची में 22 भाषाएँ सम्मिलित हैं.

203. राज्य की ओर से गजट में (राजपत्र में) निकाला गया अधिकारिक जरूरी आदेश को अध्यादेश कहा जाता है, जो किसी कार्य व्यवस्था आदि के संबंध में हो. आमतौर पर संसद का सत्र न होने की हालत में अध्यादेश जारी होते हैं.

204. 25 जून 1975 को भारत सरकार के गृहमंत्रालय के अधीनस्थ राजभाषा विभाग स्थापित किया गया.

205. अनुच्छेद 351 में हिंदी भाषा की सामासिक संस्कृति के बारे में अभिव्यक्त किया गया है.

206. अनुच्छेद 343 में यह कहा गया है कि संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी.

207. 1950-51 में भारत सरकार शब्दावली निर्माण के लिए वैज्ञानिक पारिभाषिक शब्दावली बोर्ड की स्थापना की गई.

208. अनुच्छेद 348 तथा 349 में उच्चतम और उच्च न्यायालयों की भाषा विषयक प्रावधान सम्मिलित हैं.

209. अनुच्छेद 350 में भाषायी अल्पसंख्यकों पर पूरा ध्यान दिए जाने की व्यवस्था है.

210. भाषायी अल्पसंख्यक अर्थात भाषा की दृष्टि से कम. वह वर्ग जो देश की ऐसी भाषा बोलता है जो बहुसंख्यक जनता द्वारा नहीं बोली जाती.

211. भाषाविज्ञान के व्यावहारिक पक्ष को अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान की संज्ञा से अभिहित किया जाता है.

212. अनुवाद, भाषा शिक्षण, कोश विज्ञान, शैली विज्ञान, मनोभाषा विज्ञान, व्यतिरेकी विश्लेषण, तुलनात्मक अध्ययन आदि कुछ प्रमुख अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान के क्षेत्र हैं

213. अपने प्रत्यक्ष अनुभवों से कुछ प्राप्त करने की प्रक्रिया को अर्जन कहा जाता है.

214. किसी विषय के संबंध में ज्ञान प्राप्त करने की प्रक्रिया अधिगम कहलाती है.

215. भाषा दोष विश्लेषण चॉम्स्की के उपागम पर आधारित है.

216. व्याकरण विधि, व्याकरण अनुवाद विधि, प्रत्यक्ष विधि और संप्रेषणपरक भाषा शिक्षण आदि भाषा शिक्षण की प्रमुख विधियाँ हैं.

217. व्यवहारवादी सिद्धांत के अंतर्गत व्यतिरेकी विश्लेषण किया जाता है.

218. काव्यशास्त्र के छह सिद्धांतों - रस, ध्वनि, रीति, वक्रोक्ति, अलंकार एवं औचित्य - को कुलमिलाकर 'षट् सिद्धांत' की संज्ञा से अभिहित किया जाता है.

219. जिस भाषा की सामग्री का अनुवाद किया जाता है, उस भाषा को मूल भाषा या स्रोत भाषा कहा जाता है.

220. जिस भाषा में स्रोत भाषा की सामग्री का रूपांतरण किया जाता है, उसे लक्ष्य भाषा कहा जाता है.

221. भाषा यादृच्छिक ध्वनि प्रतीकों की वह व्यवस्था है जिसके माध्यम से कोई सामाजिक समूह के सदस्य आपस में विचार-विनिमय करते हैं.

222. भाषा कौशल चार प्रकार के हैं - सुनना (श्रवण कौशल), बोलना (वाचन कौशल), पढ़ना (पठन कौशल) और लिखना (लेखन कौशल).

223. मोटे तौर पर भाषा शिक्षण उद्देश्यों को प्रमुख रूप से दो प्रकारों में विभाजित किया जाता है - ज्ञानात्मक उद्देश्य और कौशलात्मक उद्देश्य.

224. मन ही मन पढ़ने की प्रक्रिया को मौन वाचन कहा जाता है. इस प्रक्रिया के माध्यम से अधिक से अधिक अर्थ ग्रहण किया जाता है.

225. स्वर सहित वाचन को सस्वर वाचन कहा जाता है. इसमें छात्र पढ़ने के साथ साथ बोलता भी है.

226. सस्वर वाचन में चार प्रतिक्रियाएँ सम्मिलित होती हैं - लिपिबद्ध अक्षरों को देखना, पहचानना और शब्दों को समझना, उच्चारण करना तथा अर्थ ग्रहण करना.

227. अक्षरबोध प्रणाली में छात्रों को वर्णमाला के सभी अक्षरों का बोध कराया जाता है. जैसे - अ, आ, इ, ई आदि. इसमें शिक्षण का क्रम वर्णाक्षर-शब्द-वाक्य रहता है.

228. जब किसी क्लिष्ट बात या अंश को दिखाकर स्पष्ट किया जाए अथवा मौखिक रूप से इस तरह स्पष्ट किया जाए कि सुनने वाले के मस्तिष्क में उस बात का चित्र-सा खिंच जाए, तो उसे 'निदर्शना' कहा जता है.

229. भाषा के उच्चारण में प्रमुख रूप से सामन्य अशुद्धियाँ शारीरिक संरचना, मानसिक कारण, सामाजिक कारण, शैक्षिक कारण और भाषायी कारण से होती हैं.

230. सामान्य लिपि संबंधी अशुद्धियाँ, पंचमवर्ण संबंधी अशुद्धियाँ, लिंग और वचन संबंधी अशुद्धियाँ तथा मात्रों की अशुद्धियाँ कुछ प्रमुख वर्तनी संबंधी अशुद्धियाँ हैं

231. किसी वक्ता की बोली में अभिव्यक्ति के प्रसंग और उद्देश्य से आने वाले वैशिष्ट्य को शैली कहा जाता है.

232. कुंतक के अनुसार काव्य की आत्मा वक्रोक्ति है.

233. प्राग स्कूल ने शैली विश्लेषण की चार योजनाओं का प्रवर्तन किया - सौंदर्यात्मक, वैज्ञानिक, बोलचाल और जनसंपर्कीय.

234. फ़्रांसीस शैली विज्ञान के प्रवर्तक हैं चाल्से बेली.

235. व्यावहारिक शैली विज्ञान के अंतर्गत कृति की व्याकरणिक एवं तार्किक समीक्षा करके उसमें निहित साहित्यिक प्रभावों का उद्घाटन किया जाता है.

236. बहुसूत्रीय दृष्टि के अनुसार किसी साहित्यिक पाठ का अध्ययन अनेक दृष्टियों से होना चाहिए. अर्थात संरचनात्मक भाषावैज्ञानिक अध्ययन ही पर्याप्त नहीं होता. इसमें ऐतिहासिक पक्ष भी शामिल होना चाहिए.

237. राष्ट्रीय शैली सिद्धांत के अंतर्गत यह माना जाता है कि भाषा एक भाषिक समुदाय की मानसिक और सामाजिक प्रकृति का ज्ञान होता है.

238. यंत्रों की सहायता से किया गया अध्ययन यांत्रिक प्रविधि कहलाता है. इसके अंतर्गत उपकरणों की सूची बनाकर उनका वर्गीकरण किया जाता है. साथ ही विषय वस्तु एवं लेखक के मनोविज्ञान के व्यंजक शब्दों की गणना आदि आते हैं.

239. याकोबसन ने शैली के अंतर्गत सममूल्यता सिद्धांत को काव्य सिद्धांत के रूप में प्रस्तुत किया.

240. रूस में रूपवाद तथा चेक में संरचनावाद के नाम से शैली विज्ञान का विकास हुआ

241. शैली विश्लेषण की तीन प्रमुख प्रक्रियाएँ हैं - विश्लेषण, संश्लेषण और निर्वचन.

242. भाषा के मानक प्रयोग से किया जाने वाला अतिक्रमण या उल्लंघन विचलन कहलाता है.

243. किसी रचना को पढ़ते हुए पाठक के मन में रचना से जिस तरह की प्रत्याशा निर्मित होती है अगर वह किन्हीं कारणों से विफल होती है तो शैलिशास्त्रीय भाषा में उसे विपथन कहा जाता है.

244. समानांतरता का अर्थ होता है किसी रचना में भाषिक लक्षणों या विधान की पुनरावृत्ति की नियमितता.

245. शैली चिन्हक से आशय भाषा के उन तत्वों से है जिनका प्रयोग किसी कृति में संदर्भ विशेष के प्रासंगिक मानक से अलग होता है.

246. शैली वैज्ञानिक विश्लेषण में अग्रप्रस्तुति का आशय भाषा में उपस्थित होने वाले उन अप्रत्याशित अथवा विशेष प्रयोगों से है जो सामान्य से अलग प्रतीत होते हैं तथा पाठक का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने लगते हैं.

247. किसी रचना में जब शैली चिन्हक अपनी संदर्भबद्धता के आधार पर रेखांकित किए जाते हैं तो उसे धनात्मक शैली चिन्हक कहा जाता है.

248. किसी दृष्टि की भाषा में विभिन्न भाषिक तत्वों की विशेष अनुपस्थिति को ऋणात्मक शैली चिन्हक के रूप में देखा जा सकता है.

249. तुलनात्मक शैली विज्ञान के अंतर्गत कृति की शैली को मानक से अतिक्रमण के रूप में देखा जाता है और पाठ विशेष में प्रयुक्त शैली के रूपों की तुलना उसके मानक रूपों से संपन्न करके रचना के वैशिष्ट्य को प्रकट किया जाता है.

250. जहाँ अभिव्यक्ति विशेष में शैली के कुछ विशिष्ट गुणों का आरेखण किया जाए वहाँ वर्णात्मक शैली विज्ञान होता है.